



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 406]

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 1, 1989/श्रावण 10, 1911

No. 406]

NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 1, 1989/SRAVANA 10, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)
अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 1989

सं. 216/89-सीमाशुल्क

सा. का. नि. 735(अ).—केंद्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के शीर्ष सं. 85.24 के अधीन आने वाले अभिलिखित चुम्बकीय टेपों को, जब उनका भारत में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा कंप्यूटरों में उपयोग के लिए आयात किया जाए, तो—

- (i) सीमाशुल्क अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय संपूर्ण उत्पाद-शुल्क से; और
- (ii) उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय संपूर्ण प्रतिरिक्त शुल्क से,

निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, छूट देती है, अर्थात्

- (i) आयातकर्ता निर्याती के समय और स्थान पर ऐसे अधिकारी से जो शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार में उप सचिव की पंक्ति से नीचे का न हों, इस आणय का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करता है कि ऐसी चुम्बकीय टेपों को शैक्षणिक या वैज्ञानिक सामग्री से कंप्यूटरों में उपयोग के लिए अभिलिखित किया गया है और वे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा सम्यक् रूप से अनुमोदित संस्थाओं या अनुसंधान केंद्रों द्वारा अर्पित हैं;
- (ii) आयातकर्ता निर्याती के समय और स्थान पर सीमाशुल्क सहायक कलक्टर को इस आणय का बचनबंद देता है कि ऐसी अभिलिखित चुम्बकीय टेपों का किसी अन्य प्रयोजन के लिए उपयोग नहीं किया जाएगा और ऐसी टेपों को किसी अन्य सामग्री से पश्चात्पूर्ती अभिलिखित नहीं किया जाएगा; और
- (iii) ऐसी अभिलिखित चुम्बकीय टेपों का आयात के पक्ष पर सीमाशुल्क कलक्टर की पूर्ण अनुज्ञा के बिना विक्रय नहीं किया जाएगा या उनसे बिलग नहीं हुआ जाएगा।

[फा. सं. 463/102/88-सी. शु. V (टी.आर.यू.)]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 1st August, 1989

NO. 216/89-CUSTOMS

G.S.R. 735(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts recorded magnetic tapes falling under the Heading No. 85.24 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India by the University Grants Commission for use in computers, from,—

- (i) the whole of the duty of customs leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975); and
- (ii) the whole of the additional duty leviable thereon, under section 3 of the said Customs Tariff Act,

subject to the following conditions, namely :—

- (i) the importer, at the time and place of clearance, produces a certificate from an officer not below the rank of Deputy Secretary in the Ministry of Education, Government of India, to the effect that such magnetic tapes are recorded with educational or scientific material for use in computers and are required by Institutes or Research Centres duly approved by the University Grants Commission;
- (ii) the importer, at the time and place of clearance, gives an undertaking to the Assistant Collector of Customs to the effect that such recorded magnetic tapes shall not be used for any other purpose and such tapes shall not be subsequently recorded with any other material; and
- (iii) such recorded magnetic tapes shall not be sold or ported with, without the prior

permission of the Collector of Customs at the port of importation.

[F. No. 463/102/88-Cus. V(TRU)]

सं. 217/89-सीमाशुल्क

सा.का.मि. 736(अ).—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1989 (1989 का 13) का धारा 35 की उपधारा (4) के साथ पठित सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग की अधिसूचना संख्या 159/89-सीमाशुल्क तारीख 12 मई, 1989 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, अनुसूची में, क्रम संख्या 267 और उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टियाँ अन्तःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“268 संख्या 216/89-सीमाशुल्क, तारीख 1 अगस्त, 1989
269 संख्या 219/89-सीमाशुल्क, तारीख 1 अगस्त, 1989”

[फा. सं. 463/102/88-सीमाशुल्क V (टै.आर.न्यू.)]

आर. के. महाजन, अवर सचिव

NO. 217/89-CUSTOMS

G.S.R. 736(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 35 of the Finance Act, 1989 (13 of 1989), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue No. 159/89-Customs, dated the 12th May, 1989, namely :—

In the Schedule to the said notification, after serial number 267 and the entry relating thereto, the following serial numbers and entries shall be inserted, namely :—

“268. No. 216/89-Customs, dated the 1st August, 1989.

269. No. 219/89-Customs, dated the 1st August, 1989.”

[F. No. 463/102/88-Cus. V(TRU)]

R. K. MAHAJAN, Dy. Secy.